

ससाधाररण EXTRAORDINARY

भाग II—पण्ड 3—उप-लण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33]

नई विस्ली, बृहस्पतिबार, जनवरी 22, 1987/माघ 2, 1908

No. 331

NEW DELHI, THURSDAY, JAN. 22, 1987/MAGHA 2, 1908

इस भाग में भिन्स पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकशन के रूप में रखा जा सक्षे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(रसायन और पैट्रो रसायन विभाग)

विकास आयुक्त (अधि) का कार्यालय नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1987

भादेश

का. आ. 35(अ). केन्द्रीय सरकार, औषधि (कीमत नियंत्रण) प्रादेश 1979 के पैरा 3 के उपपैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपन्न प्रसाधारण भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 27 प्रकत्वर, 1986 में प्रकाशित उद्योग मंत्रालय, रसायन और पैट्रो रसायन विभाग के ग्रादेश सं. 770(भ), तारीख 27 प्रक्तूबर, 1986 के ग्रादेश को ग्राधिकांत करते हुए 3000 र. प्रति किलोग्राम ग्राधिकतम विक्रय कीमत नियत करती है, जिस पर स्वदेशी विनिर्मित रिफाम्पीसीन का विक्रय किया जाएगा।

[#. 8(49)/85-11 II]

धार. एस. माणुर, संयुक्त सिचव और विकास आयुक्त (औषधि)

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Chemicals and Petro Chemicals)

Office of the Development Commissioner (Drugs)

New Delhi, the 22nd January, 1987

ORDER

S.O. 35(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of Paragraph 3 of the Drugs (Prices Control) Order, 1979 and in supersession of the Order of the Ministry of Industry, Department of Chemicals and Petro-Chemicals No. S.O. 770(E) dated the 27th October, 1986, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 27th October, 1986, the Central Government hereby fixes Rs. 3000 per kilogram as the maximum sale price at which Rifampicin manufactured indigenously shall be sold.

[No. 8(49)|85-D.II]

R. S. MATHUR, Jt. Secy. & Development Commissioner (DRUGS)